Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________

(In words)

J 25 1 0

Test Booklet No.

Time : 2 1/2 hours] **PAPER-III** [Maximum Marks : **200**

SANSKRIT

Number of Pages in this Booklet : **24** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

SANSKRIT
संस्कृत

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III
प्रश्नपत्रम् – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. **All questions should be attempted only in Sanskrit language.**

नोट : **सभी प्रश्नों का उत्तर संस्कृत भाषा में ही देना है ।** यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं **चार** खण्डों में विभक्त है । परीक्षार्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अन्दर यथास्थान दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

सूचना : अस्य प्रश्नपत्रस्य **द्विशत (200)** अङ्का: सन्ति । प्रश्नपत्रमिदं **चतुर्षु (4)** खण्डेषु विभक्तमस्ति । **सर्वेषां प्रश्नानामुत्तरं संस्कृतभाषायामेव देयम् ।** अभ्यर्थिभि: पृथक् निर्दिष्टं विशेषसूचनानुसारं खण्डान्तर्गतप्रश्ना: समाधेया: ।

SECTION – I

खंड – I

खण्डः – I

Note : This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

नोट : इस खंड में विकल्प सहित **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । दोनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे **द्वौ** विकल्पसहितौ निबन्धात्मकौ प्रश्नौ स्तः । प्रश्नद्वयमेव समाधेयम् । एकैकस्य प्रश्नस्य **प्रायशः (500)** पञ्चशतशब्दपरिमितम् उत्तरं देयम् । **(2 × 20 = 40 अङ्काः)**

ऐच्छिकः – I

1. आत्मोन्नत्यै मनसः महत्त्वं शिवसङ्कल्पसूक्तानुसारं विवेचयत ।

अथवा

विधेः स्वरूपं तद्भेदाँश्च सोदाहरणं विमृशत ।

2. प्रातिशाख्यस्य प्रतिपाद्यविषयं सोदाहरणं प्रतिपादयत ।

अथवा

अग्निष्टोमयागस्य स्वरूपं यथाधीतं विविच्यताम् ।

ऐच्छिकः – II

1. वाक्यपदीयकारस्य ऐतिहासिकः परिचयः प्रस्तूयताम् ।

अथवा

सभेदं स्फोटस्य स्वरूपं निरूप्यताम् ।

2. वेदाङ्गेषु व्याकरणस्य महत्त्वं स्पष्टयत ।

अथवा

व्याकरणाध्ययनस्य मुख्यं प्रयोजनं प्रतिपाद्यताम् ।

ऐच्छिकः – III

1. 'ब्रह्म सत्यं जगन्मिथ्या' – विविच्यताम् ।

अथवा

सांख्याभिमता सृष्टिप्रक्रिया वर्ण्यताम् ।

2. योगशास्त्रानुसारेण ईश्वरस्वरूपम् निरूप्यताम् ।

अथवा

न्यायमतेन इन्द्रियार्थसन्निकर्षः सोदाहरणं स्पष्टीक्रियताम् ।

ऐच्छिकः – IV

1. रसगङ्गाधरकारस्य काव्यकारणनिरूपणं सविस्तरम् उपपाद्यताम् ।

अथवा

रसगङ्गाधरोक्तदिशा काव्यप्रभेदान् लक्षयित्वा उदाहरणेषु योजयत ।

2. रससूत्रविषयकं नव्यमतं परिशोधयत ।

अथवा

अभिज्ञानशाकुन्तले पञ्चमाङ्कस्य महत्त्वं विशदयत ।

ऐच्छिकः – V

1. अभिलेखानामध्ययनस्य महत्त्वं निरूपयत ।

अथवा

अशोककालीनायाः ब्राह्मीलिप्याः वैशिष्ट्यम् वर्ण्यताम् ।

2. प्रतिहारराजस्य मिहिरभोजस्य ग्वालियरशिलालेखमधिकृत्य विवेचनमुपस्थापयत ।

अथवा

मौर्योत्तरकालीन-अभिलेखानां वैशिष्ट्यं प्रतिपादयत ।

SECTION – II

खंड – II

खण्ड: – II

Note : This section contains **three (3)** questions from each of the electives/specializations. The candidate has to choose only one elective/specialization and answer all the three questions from it. Each question carries **fifteen (15)** marks and is to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

सूचना : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता से **तीन (3)** प्रश्न हैं । परीक्षार्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई / विशेषज्ञता को चुनकर उसी के तीनों प्रश्नों का उत्तर देना है । प्रत्येक प्रश्न **पन्द्रह (15)** अंकों का है व उसका उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे एकैकस्मिन् ऐच्छिकविषये **त्रय: (3)** प्रश्ना: सन्ति । एकम् ऐच्छिकं विषयं चित्वा परीक्षार्थिना तस्य त्रय: प्रश्ना: समाधेय: । एकैकस्य प्रश्नस्य **पञ्चदश (15)** अङ्का: सन्ति । उत्तरं तावत् प्रायश: **शतत्रय (300)** शब्दात्मकं लेखनीयम् । **(3 × 15 = 45 अङ्का:)**

ऐच्छिक: – I

3. राष्ट्रसमृद्ध्यर्थं राष्ट्राभिवर्द्धनसूक्तस्य वैशिष्ट्यं प्रतिपाद्यताम् ।

4. मन्त्रब्राह्मणयोर्वेदनामधेयमिति वाक्यं तयो: सम्बन्ध – प्रतिपादनदिशा विमृश्यताम् ।

5. सन्ध्यक्षरम् । अघोष: । यम: । रक्त: । संयोग: । एषां सोदाहरणं विवेचनं प्रातिशाख्यानुसारं क्रियताम् ।

ऐच्छिकः – II

3. वाक्यपदीयानुसारेण शब्दब्रह्मणः शक्तयः प्रतिपाद्यन्ताम् ।
4. पाणिनीयशिक्षानुसारेण वर्णानां संख्यां तेषां विभागं च स्पष्टीकुरुत ।
5. एषु आत्मनेपदपरस्मैपदविधायकानि सूत्राणि निर्दिश्यन्ताम् –
   विजयते, निविशते, प्रवहति, अनुकरोति, विरमति ।

ऐच्छिकः – III

3. तर्कदीपिकानुसारं यथार्थानुभवस्य परिष्कृतं लक्षणम्, तत्पदकृत्यञ्च प्रतिपादयत ।
4. योगमते मोक्षस्वरूपं तत्साधनञ्च विमृशत ।
5. 'तत्त्वमसि' – इति महावाक्यार्थं प्रपञ्चयत ।

ऐच्छिकः – IV

3. नाट्यवेदोत्पत्तिकथां भरतमतानुसारं विवृणुत ।
4. आनन्दवर्धनस्य ध्वनिलक्षणं सपदकृत्यं विवेचयत ।
5. अर्थोपक्षेपकान् लक्षणोदाहरणसहितं विवृणुत ।

ऐच्छिकः – V

3. शिलालेखाः कतिविधाः ? सोदाहरणं लिख्यताम् ।
4. मौर्योत्तरकालीनायाः कस्याश्चिदेकस्याः शिलालिपेः वर्णनं कुरुत ।
5. गुप्तोत्तरकालीनस्य कस्यचित् ताम्रपत्रस्य विवरणं प्रदेयम् ।

SECTION – III
खंड – III
खण्डः – III

Note : This section contains **nine** (9) questions of **ten** (10) marks, each to be answered in about **fifty** (50) words. **(9 × 10 = 90 marks)**

सूचना : इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे **दशाङ्क (10)** परिमिताः **नव (9)** प्रश्नाः सन्ति । एकैकस्य प्रश्नस्य उत्तरं तावत् प्रायशः **पञ्चाशत् (50)** शब्दात्मकं देयम् । **(9 × 10 = 90 अङ्काः)**

6. पञ्चमहायज्ञप्रयोजनं तद्विधिञ्च यथाशास्त्रं निरूपयत ।

7. ससूत्रं समास-प्रक्रियां लिखत –
अधिहरि, पीताम्बरः ।

8. अद्वैतमते अज्ञानस्य स्वरूपं विवृणुत ।

9. ब्रह्मचारिधर्मान् प्रतिपादयत ।

10. पुराणशब्दं निरुच्य महापुराणानां नामानि लिख्यन्ताम् ।

11. अस्य श्लोकस्य व्याख्या कार्या –

विवेश गत्वा स विलासकाननं,
ततः क्षणात्क्षोणिपतिर्धृतीच्छया ।
प्रवालरागच्छुरितं सुषुप्सया,
हरिर्घनच्छायमिवाम्भसां निधिम् ।।

12. रामायणकालीनसामाजिकव्यवस्थां स्वदेवगिरा वर्णयत ।

13. ईशोपनिषद: प्रतिपाद्यं वर्णयत ।

14. समासलक्षणं तद्भेदाँश्च निर्दिशत ।

SECTION – IV

खंड – IV

खण्डः – IV

Note : This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words.

(5 × 5 = 25 marks)

सूचना : इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

सूचना : अस्मिन् खण्डे निम्नलिखितं गद्यभागमाश्रित्य **पञ्च (5)** प्रश्नाः सन्ति । एकैकस्य प्रश्नस्य प्रायशः **त्रिंशत् (30)** शब्दात्मकम् उत्तरं देयम् । एकैकस्य प्रश्नस्य कृते **पञ्च (5)** अङ्काः सन्ति ।

(5 × 5 = 25 अङ्काः)

एकदा भगवतो गरुडस्य यात्राप्रसङ्गेन सर्वे पक्षिणः समुद्रतीरं गताः । ततः काकेन सह वर्तकश्चलितः । अथ गोपालस्य गच्छतो दधिभाण्डाद्वारंवारं तेन काकेन दधि खाद्यते । ततो यावदसौ दधिभाण्डं भूमौ निधायोर्ध्वमवलोकते तावत्तेन काकवर्तकौ दृष्टौ । ततस्तेन खेदितः काकः पलायितः । वर्तकः स्वभावनिरपराधो मन्दगतिस्तेन प्राप्तो व्यापादितः । अतोऽहं ब्रवीमि – "न स्थातव्यं न गन्तव्यम्" इत्यादि । ततो मयोक्तम् – 'भ्रातः शुक ! किमेवं ब्रवीषि ? मां प्रति यथा श्रीमद्देवस्तथा भवानपि ।' शुकेनोक्तम् - अस्त्वेवम् ।

किन्तु, –

दुर्जनैरुच्यमानानि संमतानि प्रियाण्यपि ।

अकालकुसुमानीव भयं संजनयन्ति हि ।।

दुर्जनत्वं च भवतो वाक्यादेव ज्ञातं यदनयोर्भूपालयोर्विग्रहे भवद्वचनमेव निदानम् ।

15. सर्वे पक्षिणः समुद्रतीरं कस्मिन् प्रसङ्गे केन सह गताः ?

16. काकेन वारं वारं कस्मात् किं खाद्यते ?

17. गोपालकेन कस्मात् कारणात् को व्यापादित: ?

18. कानि अकाले भयं जनयन्ति ?

19. दुर्जनत्वं कथं ज्ञायते ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....